# साँई ये नाव फँसी धारा कोई नही चारा भजन लिरिक्स

साँई ये नाव फँसी धारा,
कोई नही चारा,
आ के बचालो आ के बचालो,
बाबा बड़ा दूर है किनारा,
कोई न सहारा,
आ के बचालो आ के बचालो **।bd।**

तर्ज – गोरी तेरा गाँव बड़ा प्यारा।

---

टूटी फूटी नाव है मेरी,
तेज बहत है धारा,
कैसे ये उस पार लगे जब,
हो न खैवन हारा-२,
एक तू ही है सहारा,
बाबा अब हमारा,
आ के बचालो,
आ के बचालो,
साँई ये नाव फसी धारा,
कोई नही चारा,
आ के बचालो आ के बचालो **।bd।**

---

आँधी तूफाँ बहुत चलत है,
नैया इत उत डोले,
तू ही सहारा है दीनो का,
ऐसा जग ये बोले,
मेरी भी नैया पार करदे,
विपदा ये हर ले,
साँई बचालो आ के बचालो,
साँई ये नाव फसी धारा,
कोई नही चारा,
आ के बचालो आ के बचालो **।bd।**

---

पीछे जाऊँ तो घोर अँधेरा,
आगे भँवर बड़ी है,
सोच सोच कर मन घबराए,
सामने मौत खड़ी है,
साँई ये [illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लाज रखो मेरी,
आ के बचालो आ के बचालो,
साँई ये नाव फसी धारा,
कोई नही चारा,
आ के बचालो आ के बचालो।bd।

---

साँई ये नाव फँसी धारा,
कोई नही चारा,
आ के बचालो आ के बचालो,
बाबा बड़ा दूर है किनारा,
कोई न सहारा,
आ के बचालो आ के बचालो।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं।

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com